यूपी का कृषि मॉडल दुनियाभर के छोटे किसानों के लिए बना मिसाल : बंगा

विश्व बैंक के अध्यक्ष बोले- जलवायु की चुनौतियों से निपटने के लिए यूपी ने दिखाया रास्ता

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने छोटे किसानों के लिए जो कृषि मॉडल विकसित किया है वह दुनिया भर के लिए मिसाल बन चुका है। इस मॉडल ने साबित किया है कि अगर तकनीक, वित्त और नीति साथ चलें तो छोटे किसान भी जलवायु संकट से मजबूती के साथ निपट सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ सिद्धांत नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत है जिसे मैंने भी देखा है। वह बृहस्पतिवार को एक कार्यक्रम में बोल रहे थे।

उन्होंने योगी सरकार की सराहना करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए उत्तर प्रदेश में किसानों के साथ जो प्रयोग हो रहे हैं, वे अद्भुत हैं। यहां गर्मी सहन करने वाले बीज, मिट्टी के अनुकूल उर्वरक, अच्छी सिंचाई व्यवस्था और मजबूत बीमा फाइनेंसिंग प्रणाली किसानों के जीवन को स्थिरता देती है।

उन्होंने बताया कि विश्व बैंक और यूपी सरकार की साझेदारी में शुरू की गई यूपी एग्रीज परियोजना राज्य की कृषि को तकनीक और वित्तीय रूप से

यूपी एग्रीज से हुआ दस लाख किसानों को लाभ

सशक्त बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है। इस परियोजना से लगभग 10 लाख छोटे और सीमांत किसानों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है।

बंगा ने कहा कि उन्होंने कुछ महीने पहले यूपी का दौरा किया था। उन्होंने किसानों के बीच इस मॉडल को जमीनी स्तर पर कार्य करते देखा। उन्होंने विश्वास जताया कि यह मॉडल दुनिया के अन्य विकासशील देशों में भी अपनाया जा सकता है। कहा, यूपी ने यह दिखा दिया है कि सरकार, व्यवसाय और डेवलपमेंट पार्टनर्स अगर एक दिशा में मिलकर काम करें, तो छोटे किसान भी जलवायु संकट के बीच आत्मनिर्भर और समृद्ध बन सकते हैं।

डिजिटल तकनीक है प्रणाली की रीढ़

बंगा ने कहा कि इस पूरी प्रणाली का केंद्र डिजिटल तकनीक है। एक साधारण मोबाइल फोन और एआई आधारित एप अब किसानों को बीज से लेकर मौसम तक की जानकारी दे रहे हैं। इससे न सिर्फ खेती की उत्पादकता बढ़ रही है, बल्कि जोखिम भी घट रहा है। डिजिटल वह ग्लू (गोंद) है जो पूरे सिस्टम को जोड़ता है। फसल की बीमारी की पहचान, उर्वरक की सटीक जानकारी, मौसम की चेतावनी और सुरक्षित भुगतान जैसी सेवाओं ने किसानों को तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनाया है। यही डाटा अब किसानों की क्रेडिट हिस्ट्री बना रहा है। यही डाटा भविष्य में किसानों को सस्ता ऋण और वित्तीय सहायता आसानी से दिलाने का आधार बनेगा। कहा, यह ऐसा सकारात्मक चक्र है जिसमें डाटा आधारित विश्वास बढ़ता है, बैंकिंग पहुंच आसान होती है और नए निवेशक कृषि क्षेत्र से जुड़ते हैं। इस मॉडल ने किसानों को उत्पादक ही नहीं, उद्यमी भी बना रहा है।